सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 06 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 7 फरवरी, 2023

मूल्य ₹ 3/-

सफलता की कुंजी है अपने चेतन मन को उन चीजों पर केन्द्रित करना जिन्हें हम चाहते हैं न कि उन पर जिनका हमें भय है।

-ब्रायन ट्रेसी

डैमेज कंट्रोल में जुटा संघ, संतों के... 8

मध्य प्रदेश में भी आप जमाएगी... 3

आरक्षण खत्म करने के लिए निजीकरण... 7

संसद में बस हंगामा- हंगामा और हंगामा...

लोकसभा व राज्यसभा की कार्यवाही फिर नहीं चली

कांग्रेस-विपक्ष की हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर चर्चा करवाने की मांग

» सत्ता पक्ष चाहता है अभिभाषण पर चर्चा, राहुल भी पहुंचे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बजट सत्र को शुरू हुए एक हफ्ते से ज्यादा हो गए हैं पर संसद की कार्यवाही नियमित नहीं हो पा रही हैं। मंगलवार को सुबह 11 बजे लोक सभा की कार्यवाही शुरू हुई पर विपक्ष व सत्तापक्ष के हंगामें के बाद 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। दोबारा 12 बजे कार्यवाही शुरू हो तो गई पर फिर हंगामें की भेट चढ़ गई और सदन को 1.30 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। उसके बाद दो बजे सदन फिर शुरू हो गई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सदन में अपनी यात्रा से जुड़ी बातें रखी।

सत्ता पक्ष , राष्ट्रपति व बजट पर चर्चा करवाना चाहता था। जबकि विपक्ष हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर चर्चा करवाने की मांग कर रहर था। उधर हंगामें की वजह से राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

भूकंप से जान गंवाने वालों को दी गई श्रद्धांजलि

तुर्किये और सीरिया में आए विनाशकारी भूकंप के कारण जान गंवाने वाले लोगों को मंगलवार को लोकसभा और राज्यसभा में श्रद्धांजलि दी गई। भूकंप से दोनों देशों में करीब 4500 से अधिक लोगों की जान चली गई, हजारों की संख्या में लोग घायल हुए हैं और कई लोग अब भी मलबे में दबे हुए हैं।

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने सेबी को लिखा पत्र

अदाणी मुद्दे पर कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि प्रश्न हमारे नियंत्रण वाले संगठन की विश्वसनीयता का है, इसलिए मैंने सेबी के अध्यक्ष को खत लिखा है और कहा कि हिंडनबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में जो आरोप लगाए है वो सही हैं या गलत उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

सत्तारूढ़ पार्टी जब विपक्ष में थी तो सदन को ठप्प करने में माहिर थी : अधीर

कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि ये सत्तारूढ़ पार्टी जो आज ज्ञान दे रही है, जब वे लोग विपक्ष में थे तो सदन को ठप्प करने में माहिर थे। इनके दिग्गज नेता अरूण जेटली और सुषमा स्वराज कहते थे कि सदन को ठप्प करना लोकतंत्र का हिस्सा है। हम मुद्दे पर बात कर रहे हैं, जेपीसी पहले भी हो चुका है।

अभिभाषण पर धन्यवाद चर्चा के बाद ही कोई चर्चा : प्रह्लाद जोशी

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि जब भी राष्ट्रपति का अभिभाषण होता है तो सबसे पहला काम राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद चर्चा करनी होती है। पहले आप धन्यवाद चर्चा करो फिर आपको जो चर्चा करनी है करो लेकिन आप सदन चलने ही नहीं देते और कहते हैं कि सरकार उत्तर नहीं देती।

एमसीडी मेयर के चुनाव को लेकर सड़क पर घमासान

» आप-भाजपा कर रहे एक दूसरे के खिलाफ प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में सोमवार को तीसरी बार मेयर का चुनाव टलने के बाद मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी एक दूसरे के सामने सड़क पर आ गई हैं। उधर यह मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है।

सदन में मतदान टलने के बाद अब दिल्ली के मेयर को लेकर राजधानी की सड़कों पर घमासान मचा हुआ है। दोनों पार्टियां एक-दूसरे पर चुनाव टलने का ठीकरा फोड़ते हुए प्रदर्शन कर रही हैं। गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी जहां आप दफ्तर पर प्रदर्शन कर रही है, वहीं आम आदमी पार्टी भाजपा दफ्तर पर प्रदर्शन कर रही है। दोनों पार्टियां एक दूसरे पर आरोप लगा रही हैं कि उनकी वजह से सदन में बार-बार मेयर का चुनाव टल रहा है। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने हाथ में बैनर ले रखा है जिसमें लिखा है नगर निगम हो या विधानसभा आम आदमी पार्टी कर रही हंगामा, हंगामा, हंगामा। वहीं आम आदमी पार्टी ने अपने हाथ में जो प्लकार्ट ले रखे हैं उसमें लिखा है भाजपा वालों शर्म करो, लोकतंत्र की हत्या बंद करो।

आप ने बीजेपी महिला पार्षदों के साथ बदसलूकी की : प्रवेश वर्मा

प्रदर्शन के दौरान भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा ने कहा, इनके दो काम हैं पहले संसद नहीं चलने देते, फिर एमसीडी हाउस नहीं चलने देते। एमसीडी हाउस में बीजेपी महिला पार्षदों के साथ बदसलूकी की गई। दो विधायकों को पुलिस जेल में डालने के लिए ढूंढ रही है और वे हाउस में आए हुए थे। दोनों विधायक संजीव झा और अखिलेश त्रिपाठी छुपकर आखिर में बैठे हुए थे। शिखा जी को बताया फिर पार्षदों ने मांग की कि उन्हें यहां नहीं होना चाहिए। उसके बाद एल्डरमैन वोट नहीं डालेंगे ये कहा जाता है, लेकिन आजतक एल्डरमैन हमेशा 6-8 महीने के बाद बनाये जाते थे ये पहली बार हुआ है कि चुनाव होते ही एल्डरमैन बना दिये गए।

बीजेपी को नहीं है संविधान की परवाह : दुर्गेश

वहीं, आप नेता दुर्गेश पाठक ने कहा कि कि एमसीडी चुनाव में हमें 134 सीटें मिली है। बीजेपी को 104 सीटों पर जीत हासिल हुई है, लेकिन ये लोग बार-बार ऐसे मुद्दे उठा रहे हैं जो संविधान की अवहेलना करते हैं। हमने इनकी सभी मांगें मानी, उसके बावजूद ऐसा किया जा रहा है. तीन बार चुनाव टलने के लिए बीजेपी जिम्मेदार है. अब हमने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

कोर्ट पहुंची आप, कल होगी सुनवाई

नई दिल्ली। तीसरी बार मेयर का चुनाव टलने पर आम आदमी पार्टी ने एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने शीर्ष अदालत के सामने यह मामला रखते हुए कहा कि निगम चुनाव परिणाम के 2 महीने बाद भी मेयर का पद खाली है। मनोनीत पार्षदों को मतदान में शामिल किया जा रहा है। कुछ विधायकों को रोका जा रहा है। जिसके बाद चीफ जस्टिस ने इस मसले पर बुधवार को सुनवाई करने की बात कही है।

यूपी में भाजपा कर रही अधर्म

राहुल गांधी ने कहा- कोई धर्म नहीं कहता है कि नफरत फैलाओ

» पूर्व अध्यक्ष ने कहा-योगी अपने मठ का कर रहे अपमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा देश की सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य में जो कर रही है वो धर्म नहीं, अधर्म है। उन्होंने सामाजिक संगठनों के 'भारत जोड़ो अभियान' कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। इस कार्यक्रम में मौजूद एक व्यक्ति ने यह जानकारी दी।

सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी ने इस कार्यक्रम में कहा कि योगी जी को अगर हिंदू धर्म समझ आता तो वह जो करते हैं वो नहीं करते। वह अपने मठ का अपमान कर रहे हैं। वह धार्मिक नेता नहीं, बल्कि एक मामूली ठग हैं।

कार्यक्रम में मौजूद महिला ने उनसे सवाल किया था कि उत्तर प्रदेश में जो 'धर्म की आंधी' चल रही है, इस स्थिति में कांग्रेस क्या करेगी? सूत्रों का कहना है कि इसके जवाब में राहुल गांधी ने कहा कि आपने कहा कि उत्तर प्रदेश में धर्म की आंधी है। यह धर्म नहीं है। मैंने इस्लाम के बारे में पढ़ा, ईसाई धर्म के बारे में पढ़ा है, यहूदी धर्म के बारे में पढ़ा है, बौद्ध धर्म के बारे में पढ़ा है। हिंदू धर्म तो मैं समझता हूं। कोई धर्म नहीं कहता है कि नफरत फैलाओ।

कांग्रेस तपस्वियों की पार्टी

गांधी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा जो कर रही है वो धर्म नहीं, अधर्म है। उन्होंने कहा कि जैसे ही व्यक्ति तपस्या करना बंद कर देता है तो उसके लिए भ्रम की स्थिति पैदा हो जाती है। गांधी ने कहा कि कांग्रेस तपस्वियों की पार्टी है, जबकि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसके विपरीत हैं। उन्होंने 'भारत जोड़ो यात्रा' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह छोटा एवं पहला कदम है, आगे और भी प्रयास किए जाएंगे।

अडानी मुद्दे पर चर्चा को टालने की पूरी कोशिश करेंगे मोदी

नई दिल्ली। अडानी ग्रुप के मामले पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संसद में अडानी मुद्दे पर चर्चा को टालने की पूरी कोशिश करेंगे। राहुल गांधी ने जोर देकर कहा कि देश को पता होना चाहिए कि अरबपति व्यवसायी के पीछे कौन सी शक्ति है। उन्होंने कहा कि अडानी पर चर्चा को टालने की कोशिश करने का कारण आप जानते हैं। मैं चाहता हूं कि संसद में अडानी मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए और लाखों-करोड़ों के नुकसान की सच्चाई सामने आनी चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि जो भ्रष्टाचार हुआ है वह सामने आना चाहिए। देश को पता होना चाहिए कि अडानी के पीछे क्या ताकत है। राहुल गांधी ने सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा, कि कई सालों से, मैं सरकार और हम दो, हमारे दो के बारे में बात कर रहा हूं। सरकार अडानी जी पर संसद में चर्चा से डरती है।

डोडा में आई दरारों को गंभीरता से लें एलजी : गुलाम नबी आजाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

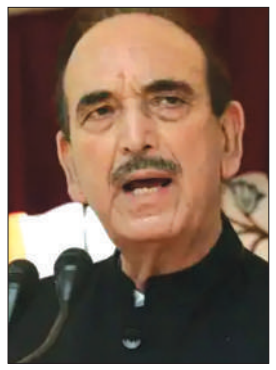

जम्मू। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने डोडा के ठाठरी इलाके में दरारों से पैदा हुई स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि आवासों और अन्य दूसरे स्थलों को प्राथमिकता के आधार पर ठीक करवाया जाए। इस सारे घटनाक्रम से लोगों को भारी संकट का सामना करना पड़ रहा है। यदि इस मुद्दे का समाधान नहीं किया गया तो यह क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मानवीय संकट खड़ा कर सकता है।

उन्होंने उप राज्यपाल से इस मामले को व्यक्तिगत रूप से देखने और प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर सभी उचित सुविधाएं मुहैया करवाने पर जोर दिया। सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को भी जल्द बहाल किया जाए। कभी कांग्रेस के गांधी परिवार के करीब रहने वाले गुलाम नबी आजाद ने उनसे अलग होकर नई पार्टी डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी बना ली थी। जबसे उन्होंने पार्टी बनाई है तबसे वह राज्य की सियासत में अपनी पकड़ और मजबूत करने में जुटे हैं। इसी के तहत व जनता से जुड़े मुद्दों को उठाते रहते हैं।

हम नहीं, बीजेपी ही बी टीम : प्रद्योत किशोर

» त्रिपुरा की शाही फैमिली से जुड़े नेता का शाह को खरी-खरी

» यह माणिक्य कबीला किसी के सामने नहीं झुकता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। त्रिपुरा में अब चुनाव होने में महज कुछ ही दिन बाकी है, ऐसे में राज्य में तमाम पार्टियां अपनी तरफ से पुरजोर कोशिश में लगी है कि वो वोटर्स को लुभा सके। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीपीएम और कांग्रेस के साथ लीग में होने का आरोप लगाते हुए नई पार्टी टिपरा मोथा को आड़े हाथ लिया। अमित शाह के भाषण का हवाला देते हुए टिपरा मोथा के प्रद्योत किशोर देबबर्मा ने कहा, कि मैं अपने देश के गृह मंत्री को एक बात बताना चाहूंगा।

यह माणिक्य कबीला किसी के सामने नहीं झुकता है और किसी की बी-टीम

नहीं है, आपने मेरे दादाजी महाराजा बीर बिक्रम का नाम लिया, आपको समझ लेना चाहिए कि बीर बिक्रम का पोता अपनी जमीन, अपने लोग किसी को नहीं बेचेगा और हम किसी की बी-टीम नहीं हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा नागालैंड में एक बी-टीम है, मेघालय, शिलॉन्ग और गारो हिल्स में, वे किसी अन्य पार्टी की बी-टीम हैं, आप मिजोरम में किसी अन्य पार्टी की बी-टीम है, तमिलनाडु में, आप एआईएडीएमके की बी-टीम है, पंजाब में आप अकाली दल की बी-टीम हैं, बीजेपी भारत की कई पार्टियों की बी-टीम है, टिपरा मोथा एक छोटी पार्टी है, यह पार्टी झुकती या समझौता नहीं करती है।

अमित शाह ने संतिरबाजार में एक रैली में कहा, पहले कांग्रेस और कम्युनिस्ट लड़ रहे थे और इस बार, कांग्रेस और कम्युनिस्ट एक साथ आए हैं और अबकी बार टिपरा मोथा भी उनके साथ हैं। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, मैं अपने आदिवासी भाइयों और बहनों से कहना चाहता हूं - जो लोग झूठे वादे कर आपका वोट लेना चाहते हैं, वे कम्युनिस्टों के साथ हैं, उनके जाल में न फंसे, अगर कोई आदिवासियों के लिए प्रगति ला सकता है, तो वो सिर्फ भाजपा और नरेंद्र मोदी है, उनके अलावा और कोई नहीं।

20 फरवरी से शुरू होगा यूपी विधानमंडल का बजट सत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार विधानमंडल का बजट सत्र 20 फरवरी को बुलाएगी। 21 फरवरी को योगी आदित्यनाथ सरकार के दूसरे कार्यकाल का दूसरा बजट पेश किया जा सकता है। सरकार बजट में युवाओं पर फोकस कई एलान कर सकती है। योगी कैबिनेट ने विधानमंडल का सत्र आहूत करने का प्रस्ताव बाई सर्कुलेशन मंजूर किया। विधानमंडल का सत्र 20 फरवरी से आहूत होगा।

नियमानुसार सत्र आहूत करने से 15 दिन पहले नोटिस जारी होना आवश्यक है। लिहाजा सरकार ने सोमवार को विधानमंडल के बजट सत्र का प्रस्ताव कैबिनेट बाई सर्कुलेशन मंजूर किया। 20 फरवरी को पहले दिन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल विधानमंडल के संयुक्त सत्र में अभिभाषण पेश करेगी। अपना दल विधायक राहुल प्रकाश कोल के निधन के चलते शोक प्रस्ताव के बाद सदन स्थगित हो जाएगा। 21 फरवरी को वित्त मंत्री सुरेश खन्ना वित्तीय वर्ष 2023-24 का बजट प्रस्ताव पेश करेंगे।

विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी में

सरकार जहां दूसरे बजट में अपनी उपलब्धियों और इन्वेस्टर्स समिट की सफलता को बताने की तैयारी कर रही है, वहीं विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है। राम चरित मानस से उठे विवाद के अलावा जातीय जनगणना व महंगाई, बेरोजगारी को विपक्ष मुद्दा बनाने की रणनीति बना रहा है।

हिंदुत्व और हिंदू धर्म अलग-अलग हैं : सीएम सिद्धारमैया

» कांग्रेस नेता का विवादित बयान, बोले-हिंसा और भेदभाव का समर्थन करता है हिंदुत्व

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में अब कुछ ही समय बचा है, इस बीच नेताओं के विवादित बयान आने शुरू हो गए हैं। कांग्रेस नेता और पूर्व सीएम सिद्धारमैया ने हिंदुत्व को लेकर विवादित बयान दिया है। पूर्व सीएम ने कहा कि हिंदुत्व और हिंदू धर्म अलग-अलग हैं। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व देश में हिंसा फैलाने और भेदभाव बढ़ाने का समर्थन करता है।

सिद्धारमैया ने कहा कि हिंदुत्व संविधान के खिलाफ है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मैं हिंदू धर्म के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन मनुवाद और हिंदुत्व का विरोध करता हूं। कालाबुरागी में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी धर्म हत्या और हिंसा का समर्थन नहीं करता है लेकिन हिंदुत्व और मनुवाद हत्या, हिंसा और भेदभाव का समर्थन करते हैं। सिद्धारमैया ने इससे पहले एक कार्यक्रम में विधानसभा चुनाव में आखिरी बार चुनाव लड़ने की भी बात कही। उन्होंने इमोशनल कार्ड खेलते हुए कहा कि ये उनका आखिरी चुनाव होगा। इसी के साथ उन्होंने लोगों की सेवा जारी रखने की बात कही। कांग्रेस नेता ने कहा कि वे राजनीति से रिटायर चाहे हो जाएं, लेकिन लोगों की भलाई के लिए कार्य करना बंद नहीं करेंगे।

मध्य प्रदेश में भी आप जमाएगी पांव

कांग्रेस व भाजपा की रणनीति भी तैयार

» इस वर्ष है वहां विस चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली, फिर पंजाब में आप की सरकार। उसके बाद मोदी के गुजरात में कांग्रेस को धकेल वहां की दूसरी पार्टी बनी आप। अब जोश से भरे केजरीवाल मध्य प्रदेश में भी ताल ठोंकेंगे। मप्र में 2023 के आखिर में चुनाव है। जिस तरह से कई राज्यों में आप अकेले चुनाव लड़कर अपनी उपस्थिती दर्ज करवा रही है उससे उसको राष्ट्रीय स्तर की पार्टी का दर्जा भी हासिल हो गया है। अपनी इन्ही सब उपलब्धियों के दम पर उत्तर से लेकर दक्षिण व पूरब से लेकर पश्चिम तक अपना परचम लहराने की मंशा से हर चुनाव में उतरने की कोशिश करते हैं। आप वहां जीते या न जीते पर वहां के वोटों पर सेंध लगाकर दूसरे दलों को नुकसान जरूर पहुंचा देती है।

आप के संगठन महामंत्री ने कहा कि चुनाव से पहले ही सीएम का चेहरा स्पष्ट कर दिया जाएगा। ऐसा नहीं होगा कि वोट पाने के लिए चेहरा कोई और हो, बाद में दूल्हा किसी और को बना दिया जाए। चुनावी राज्य मध्य प्रदेश में साल 2023 के अंतिम महीनों में चुनाव है. विधानसभा चुनाव से पहले अब तक प्रमुख दल बीजेपी और कांग्रेस ही सक्रिय नजर आ रहे थे, लेकिन अब तीसरे मोर्चे के रूप में आम आदमी पार्टी ने भी दस्तक दे दी है। आम आदमी पार्टी के संगठन महामंत्री भोपाल आए। संदीप पाठक ने कहा कि एमपी की सभी 230 सीटों पर आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतरेंगे दिल्ली और पंजाब में किए गए विकास कार्यों के आधार पर प्रदेश में वोट मांगे जाएंगे। बता दें कि चंद रोज पहले ही आम आदमी पार्टी की एमपी इकाई को भंग किया गया था। राज्य की कमान आप के संगठन महामंत्री और राज्यसभा सांसद संदीप पाठक को सौंपी गई है। पाठक के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी की बड़ी बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर रणनीति तय की गई। साथ ही संदीप पाठक ने कहा कि एक-डेढ़ महीने में फिर से मप्र इकाई का गठन कर दिया जाएगा। महामंत्री संदीप पाठक ने कहा कि बीजेपी का एजेंडा ही है कि कांग्रेस के जीते हुए प्रत्याशी को खरीद लो। संदीप पाठक ने कहा कि एमपी में कांग्रेस को वोट देना मतलब बीजेपी को सीधे तौर पर फायदा पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि राज्य की सभी 230 सीटों पर आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी मैदान में उतरेंगे। मध्य प्रदेश की जनता दिल्ली और पंजाब मॉडल को ध्यान में रखकर आम आदमी पार्टी को मौका देगी।

बीजेपी-कांग्रेस से उकता गई जनता

आम आदमी पार्टी के ने कहा कि मध्य प्रदेश की जनता बीजेपी और कांग्रेसी से पूरी तरह से ऊब गई है। एमपी की जनता ने बीजेपी और कांग्रेस को पर्याप्त मौका दिया है। अब जनता आम आदमी पार्टी को मौका देगी। लोगों ने भी अब दिल्ली और पंजाब का विकास मॉडल देख लिया है। दिल्ली मॉडल को देखने के बाद ही पंजाब की जनता ने आपको मौका दिया। अब एमपी की जनता भी आम आदमी पार्टी को मौका देने जा रही है. जनता समझ चुकी है कि आप की राजनीति साफ-सुथरी है। संदीप पाठक ने कहा कि आम आदमी पार्टी में टिकट वितरण की व्यवस्था जनता के ऊपर होती है। जनता द्वारा पसंद किए गए चेहरे पर ही आम आदमी पार्टी विश्वास जताती है. राज्यसभा सांसद पाठक ने कहा कि हम उसे ही टिकट देंगे जिसे जनता पसंद करेगी। आम आदमी पार्टी के सीएम के चेहरे को लेकर कहा कि हमारी पार्टी चुनाव से पहले ही मुख्यमंत्री का चेहरा स्पष्ट

करेगी। हमारी पार्टी ऐसा नहीं करेगी कि चेहरा कोई और बाद में दूल्हा किसी और को बना दिया जाए। उचित समय आने पर पार्टी सीएम का चेहरा स्पष्ट कर दिया जाएगा. उधर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बजट के बहाने मोदी सरकार को घेरने में जुटे है। केंद्रीय बजट में अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को वहां के विकास के लिए आर्थिक सहायता देने पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सरकार से सवाल किए। सीएम अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर लिखा, कि अपने देश में शिक्षा, स्वास्थ्य और दिल्ली का फंड काट कर तालिबान को फंड देना क्या सही है? लोग इसका सख्त विरोध कर रहे हैं। इस बार के यूनियन बजट में केंद्र सरकार ने अफगानिस्तान के लिए 2.5 करोड़ डॉलर यानी 200 करोड़ रुपये विकास सहायता पैकेज के प्रस्ताव की घोषणा की है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में अफगानिस्तान को उसके विकास के लिए सहायता के रूप में 200 करोड़ रुपये देने का ऐलान किया था। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद हिंदुस्तान ने दूसरी बार आर्थिक मदद की है। न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक पिछले बजट में भी मदद की घोषणा की गई थी। बता दें कि सीएम अरविंद केजरीवाल कह चुके हैं कि दिल्ली वालों के साथ बजट में फिर से सौतेला बर्ताव किया गया है. लोगों ने पिछले साल 1.75 लाख करोड़ से ज्यादा इनकम टैक्स दिया। उस में से मात्र 325 करोड़ रुपये दिल्ली के विकास के लिए दिए गए।

कमल नाथ को पूर्ण बहुमत की उम्मीद

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा है कि इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की सरकार बननेगी। उन्होंने कहा मेरा पूरा विश्वास है कि इस बार मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में जैसे परिणाम आएंगे, तोड़फोड़ करने की किसी को नौबत ही नहीं आएगी। वहीं, उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में पार्टी अपने संगठन के तमाम लोगों से चर्चा करके और सर्वेक्षण के आधार पर जीतने वाले प्रत्याशी को टिकट देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा से कांग्रेस में आने वाले इच्छुक नेताओं के लिए पार्टी के वरिष्ठ अधिकारी निर्णय करेंगे।मध्यप्रदेश में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व सीएम कमलनाथ ने सीएम चेहरे को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वह किसी पद का आकांक्षी नहीं हैं। कमलनाथ ने कहा कि उन्होंने ईश्वर की कृपा से अपने जीवन में बहुत कुछ प्राप्त कर लिया है और अब उनका लक्ष्य सिर्फ मध्यप्रदेश के भविष्य को सुरक्षित रखना है।

नाम बदलने से नहीं सहेजने से संवरेंगी विरासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में जगहों, शहरों, सड़कों के नाम बदलने की परिपाटी नई नहीं है। 1947 के बाद कई बार नाम बदले गए हैं। पर इस तरह के चलन पिछले 7 व 8 सालों में ज्यादा देखने को मिल रहा है। यहां महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि जगहों के नाम बदलने के अलावा हमने अपनी सांस्कृतिक विरासत को अपनाने को और क्या प्रयास किए हैं? हमारी शिक्षा प्रणाली आज भी औपनिवेशिक सांचे में ही संचालित होती है, इसमें अंग्रेजों के जमाने से अब तक नाममात्र का बदलाव आया है।

यह आजादी के बाद से ही चली आ रही है। एक स्वतंत्र देश को यह अधिकार है कि वह अपनी सांस्कृतिक व ऐतिहासिक विरासत पर दावा पेश करे। लेकिन हाल ही में मुगल गार्डंस का नाम बदलकर अमृत उद्यान किया जाना कितना उचित है। क्योंकि भले ही बाबर 1526 में उज्बेकिस्तान से भारत आया हो, लेकिन ब्रिटिशों के उलट मुगल अनेक सदियों की प्रक्रिया में धर्मबहुल, विविधतापूर्ण भारत की बुनावट में घुल-मिल गए थे। वहीं विलियम मस्टो नामक जिन होर्टिकल्चरिस्ट ने मुगल गार्डंस की रचना की थी, उन्होंने वैसा मुगलों के परम्परागत बागों के पैटर्न पर किया था।

राजनीति के कारण बन रही नई परिपाटी

मिसाल के तौर पर विजयनगर साम्राज्य के महान सम्राट कृष्णदेवराय या राजराजा चोल प्रथम को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जाता है। कौटिल्य के अर्थशास्त्र या महाभारत के शांतिपर्व में वर्णित राजनीतिक अंतर्दृष्टियों के अध्ययन के लिए बहुत थोड़े प्रयास हुए हैं। भक्तिकाल छह शताब्दियों तक चला था और इस दौरान भक्ति धारा का श्रेष्ठतम काव्य रचा गया, लेकिन हमारे शैक्षिक पाठ्यक्रम में इसे बहुत मामूली स्थान दिया जाता है।

दर्शनशास्त्र के विभागों में भारतीय सभ्यता के महान योगदान को परिधि पर सीमित कर दिया जाता है, विज्ञान की पढ़ाई में भारतीय गणितज्ञों और खगोलविदों के योगदान की अवहेलना की जाती है। पाणिनी के अष्टाध्यायी समेत व्याकरण, शब्द-व्युत्पत्ति, भाषाशास्त्र के अनेक ग्रंथों की उपेक्षा कर दी जाती है। हमारे एलीट स्कूलों में शेक्सपीयर का नाम सबने सुना है, लेकिन कालिदास को बामुश्किल ही किसी ने पढ़ा होगा। हमारी एयरलाइंस में भी केवल अंग्रेजी भाषा के अखबारों को ही जगह दी जाती है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों को हमारी शैक्षिक कल्पना में स्थान नहीं मिलता। तुलसीदास और तिरुवल्लुर की अंतर्दृष्टियों को दरकिनार कर दिया जाता है। 200 ईस्वी पूर्व में लिखा गया भरतमुनि का नाट्यशास्त्र- जो कि कलाओं पर दुनिया का सम्भवतया पहला इतना विस्तृत ग्रंथ है- भी लगभग अल्पज्ञात है।

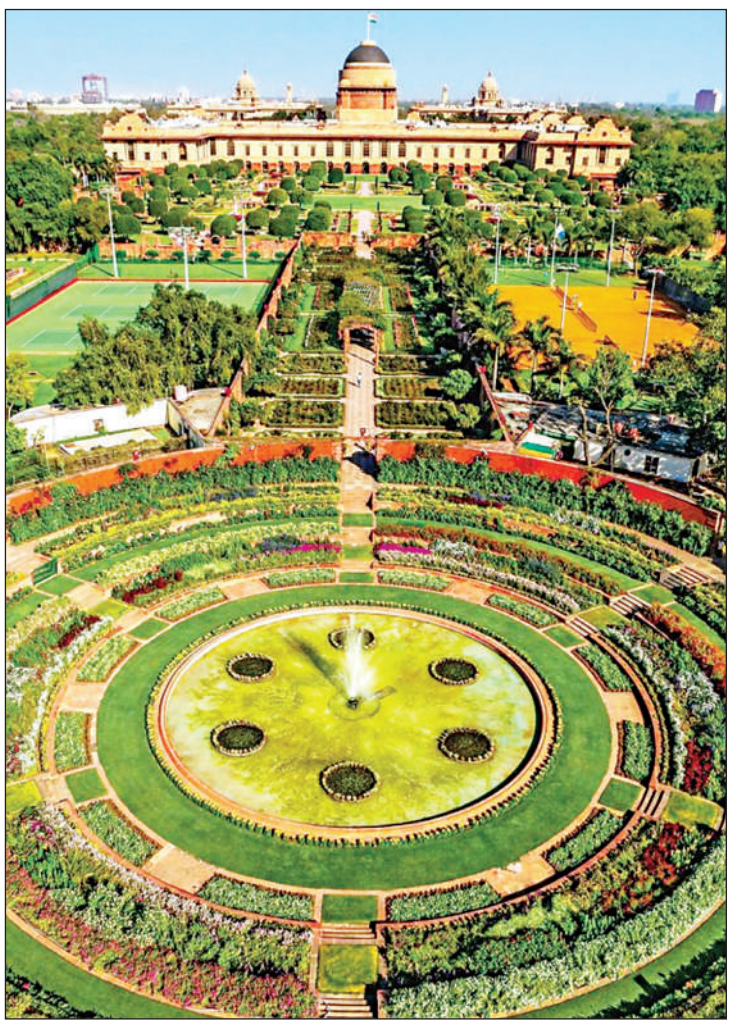

ऐतिहासिक स्मारक शोचनीय दशा में है

यहां तक कि दिल्ली का सिरी फोर्ट ऑडिटोरियम भी अंतरराष्ट्रीय मानदंडों पर खरा नहीं उतरता। हमारे ऐतिहासिक स्मारक शोचनीय दशा में हैं। संग्रहालयों की पूछ-परख करने वाला कोई नहीं। वहां उपयुक्त डिस्प्ले, कैटेलॉगिंग का अभाव होता है। नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट और नेशनल म्यूजियम में चंद हजार ही लोग आते हैं। इसकी तुलना में न्यूयॉर्क के म्यूजियम ऑफ मॉडर्न आर्ट और पेरिस के लूव्र में सालाना 25 लाख लोगों की आमद होती है, वहीं लंदन के टेट में 40 लाख लोग आते हैं। लेकिन इस सबके लिए संसाधनों की जरूरत होती है। 2019-20 में संस्कृति मंत्रालय के द्वारा किया गया व्यय हमारी जीडीपी का मात्र 0.012 प्रतिशत था। 2021 में संस्कृति मंत्रालय को 451 करोड़ रुपए दिए गए, जो विगत वर्ष के आवंटन से 15 प्रतिशत कम थे। यह तब है, जब 2020 के सांस्कृतिक बजट का साल के मध्य में रिवीजन करके उसे 30 प्रतिशत कम कर दिया गया और ताजा बजट में उसमें मामूली ब?ेतरी ही की गई। संक्षेप में कहें तो संस्कृति हमारी प्राथमिकता में नहीं है। यहां तक कि राष्ट्रीय सांस्कृतिक कोश भी अब लगभग निष्क्रिय हो गया है। 2019-20 में संस्कृति मंत्रालय का व्यय हमारी जीडीपी का मात्र 0.012 प्रतिशत था। 2020 के सांस्कृतिक बजट का साल के मध्य में रिवीजन करके उसे 30 प्रतिशत कम कर दिया गया था। संस्कृति हमारी प्राथमिकता में ही नहीं है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

भूकंप से तबाही कब तक!

मौसम विज्ञानी का मानना है कि इस तरह की तबाही आने का सबसे बड़ा कारण मानव द्वारा प्रकृति के साथ छेड़-छेड़ा है। संसाधनों का अंधाधुंध दोहन भी एक बढ़ा कारण हैं ऐसे विनाशकारी घटनाओं के लिए। एक्सपर्ट कहते हैं अगर मानव अपने स्वार्थ को किनारे कर प्रकृति को संरक्षित करने की कोशिश नहीं करेगा तब तक वह इन प्राकृतिक आपदाओं का शिकार बनता जाएगा।

जनवरी में भारत में कम तीव्रता के दो भूकंप आए थे गनीमत रही कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। लेकिन तुर्किए व सीरिया में आए भूकंप ने भयंकर तबाही मचाई और हजारों की जान ले ली। उधर भारत सरकार ने तुर्किए व सीरिया केहालात की जानकारी ली। सरकार एक सच्चे मित्र देश की तरह अपनी एनडीआरएफ की टीम वहां भेजेगी। जो हरसंभव मदद करेगी।

इस तरह की प्राकृतिक आपदाएं हर साल आने लगी हैं। प्रश्न यही है ये आपदाएं कब तक आती रहेंगी। कहीं सुनामी का कहर, कहीं ठंड में मौसम में बर्फीले तूफान, गर्मी में लू के थपेड़ों से पूरी दुनिया में जान जाने की घटनाएं सुनने को मिलती रहती हैं। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि इस तरह की तबाही आने का सबसे बड़ा कारण मानव द्वारा प्रकृति के साथ छेड़-छाड़ है। संसाधनों का अंधाधुंध दोहन भी एक बड़ा कारण हैं ऐसे विनाशकारी घटनाओं के लिए । एक्सपर्ट कहते हैं अगर मानव अपने स्वार्थ को किनारे कर प्रकृति को संरक्षित करने की कोशिश नहीं करेगा तब तक वह इन प्राकृतिक आपदाओं का शिकार बनता जाएगा। अभी हाल ही में जम्मू के डोडा, उत्तराखंड के जोशीमठ व कर्णप्रयाग मकानों व अन्य जगहों पर दरारे देखने को मिल रही है ये भी मानव द्वारा प्रकृति पर अतिक्रमण का ही नतीजा है।

भूकंप के आने की मुख्य वजह धरती के अंदर प्लेटों का टकरना है। धरती के भीतर सात प्लेट्स होती हैं जो लगातार घूमती रहती हैं। जब ये प्लेटें किसी जगह पर आपस में टकराती हैं, तो वहां फॉल्ट लाइन जोन बन जाता है और सतह के कोने मुड़ जाते हैं। सतह के कोने मुड़ने की वजह से वहां दबाव बनता है और प्लेट्स टूटने लगती हैं। इन प्लेट्स के टूटने से अंदर की एनर्जी बाहर आने का रास्ता खोजती है, जिसकी वजह से धरती हिलती है और हम इसे भूकंप मानते हैं। रिक्टर स्केल पर 2.0 से कम तीव्रता वाले भूकंप को माइक्रो कैटेगरी में रखा जाता है और यह भूकंप महसूस नहीं किए जाते। रिक्टर स्केल पर माइक्रो कैटेगरी के 8,000 भूकंप दुनियाभर में रोजाना दर्ज किए जाते हैं।इसी तरह 2.0 से 2.9 तीव्रता वाले भूकंप को माइनर कैटेगरी में रखा जाता है। ऐसे 1,000 भूकंप प्रतिदिन आते हैं इसे भी सामान्य तौर पर हम महसूस नहीं करते। वेरी लाइट कैटेगरी के भूकंप 3.0 से 3.9 तीव्रता वाले होते हैं, जो एक साल में 49,000 बार दर्ज किए जाते हैं। इन्हें महसूस तो किया जाता है लेकिन शायद ही इनसे कोई नुकसान पहुंचता है। लोगों को अब चेतने की जरूरत है। प्रकृति का सम्मान करना होगा। जितना जरूरत है उतना ही प्रकृति का दोहन करें।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

वंचितों के विकास का बने पुख्ता रोडमैप

सुरेश सेठ

जब भारत आजाद हुआ तो उस समय हमारे लोकतंत्र का मुख्य लक्ष्य था प्रजातांत्रिक समाजवाद की स्थापना अर्थात गरीब और अमीर में भेद न रहे। एक जैसा व्यवहार और स्थान समाज में सबको मिले। लेकिन 75 वर्ष की आजादी के बाद अब असमता का आलम यह है कि देश में 70 करोड़ लोगों से ज्यादा पैसा सिर्फ 21 अरबपतियों के पास है। सोचने की बात है जब कर चुकाने की बारी आती है तो आम आदमी पर ही कर का अधिक बोझ क्यों पड़ता है? आधे से अधिक जीएसटी और लगभग तीन-चौथाई आयकर छोटे दुकानदार, आम आदमी और नौकरीपेशा लोग ही चुकाते क्यों नजर आते हैं? आज वंचितों का हितचिंतन होने लगा है। होना ही चाहिए उस देश में जहां कुल आबादी का एक फीसदी देश की सम्पदा के 40 प्रतिशत से अधिक पर कब्जा किए बैठा है। एक ओर हम समतावादी नारे लगाते नहीं थकते और दूसरी ओर देश में गरीब और अमीर के बीच अंतर तेजी से बढ़ रहा है। साल 2020 में भारत में अरबपतियों की संख्या 102 थी जो 2022 में बढ़कर 166 हो गई। उधर पिछले साल जीएसटी का लगभग 64 प्रतिशत हिस्सा 50 प्रतिशत आबादी ने चुकाया और सबसे अमीर दस फीसदी लोगों ने जीएसटी का सिर्फ 3 प्रतिशत हिस्सा चुकाया।

संसद का बजट सत्र चालू हो गया। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण देश के विकास पथ पर अग्रसर होने का सामंजस्य महंगाई नियंत्रण से बिठा रही हैं। अगर धनी वर्ग अपने टैक्स का उचित हिस्सा नहीं चुकाते हैं। धनकुबेरों की सम्पदा एक साल में कम से कम 46 प्रतिशत बढ़ जाती है और भूख से त्रस्त भारतीयों की संख्या 4 साल में बढ़कर 19 करोड़ से 35 करोड़ हो जाती है। वहीं देश की महिला कर्मचारियों को पुरुषों के मुकाबले 1 रुपये की तुलना में 63 पैसे मिलते हैं तो ऐसे में देश में समतावाद का माहौल हमारे बजट कब लाएंगे? हाल ही में राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वंचितों को वरीयता देने की घोषणा की। वहीं दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि पिछले 8-9 साल में उनकी सरकार के तत्वावधान में मध्य वर्ग की हालत में बहुत सुधार हुआ। विडंबना है कि मध्य वर्ग को खुद ही इसका पता नहीं कि उसकी हालत में क्या सुधार हुआ?

केन्द्रीय खाद्य एवं प्रसंस्करण मंत्री पशुपति नाथ पारस बोले कि एफपीओ योजनाओं के चलते किसानों की आय दोगुनी हो गई है। बेशक ऐसे आंकड़े शाब्दिक रूप से तो भारत के लिए एक उजले वर्तमान और एक चमकते भविष्य का संकेत दे देते हैं लेकिन जहां दस प्रतिशत धनियों के पास ही देश की 90 प्रतिशत सम्पदा हो, उसके नागरिकों को

इन आंकड़ों से कितना बहलाया जा सकता है। जबकि आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक, हमारी विकास दर 6.5 प्रतिशत है लेकिन वह निरंतर धीमी हो रही है। देखने वाली बात है कि यह विकास और सम्पदा की वृद्धि किन लोगों के पास इकट्ठी हो रही है। चुनौतियों से निपटने के लिए विश्वस्तर पर और भारत के कृषि और उद्योग दोनों क्षेत्रों में समन्वय समितियां बनाने पर बल तो दिया जा रहा है लेकिन आज भी देश में दो एकड़ तक खेती करने वाले छोटे किसानों का बाहुल्य है और वे कर्ज बोझ से दबे हैं। वंचितों को वरीयता की बात हम अवश्य करें लेकिन क्या उसके लिए अनुकम्पाएं और रियायतें बढ़ाने के अतिरिक्त कोई और रोडमैप नहीं? बेकारी, महंगाई और भ्रष्टाचार से इस देश का जितना आम आदमी तंग हुआ है, उतना उसका स्पर्श शायद ऊंचे प्रासादों तक नहीं जाता। बेकारी दूर करने के लिए मनरेगा शुरू किया गया था। आज मांग हो रही है कि कम से कम उसमें वंचित परिवार के एक सदस्य को सौ दिन का रोजगार तो मिले। वहीं बजट में भी मनरेगा के लिए आवंटित धनराशि कम हो रही है। रोजगार देने की गारंटी की कोई योजना सामने नहीं आती। आंकड़ों के मुताबिक, देश में आत्महत्या करने वालों की संख्या बढ़ी है और इनमें छोटे किसान, बेकार मजदूर और भटके हुए नौजवानों की संख्या बढ़ रही है। सरकार तो कहती है कि हमने किसानों को कृषि क्रांति की सौगात देने का प्रण कर लिया है। फसल विविधीकरण, मोटे अनाज का उत्पादन व खेती का मशीनीकरण तेजी से किया जाएगा। मध्य वर्ग के लिए भी कहा जा रहा है कि हम नयी शिक्षा नीति ले आए। शिक्षा संस्थानों की संख्या भी बढ़ गई। महिलाओं के दाखिले में वृद्धि हुई है लेकिन मध्यवर्ग क्या अनुकम्पा के बल पर ही जिएगा? क्या इस वर्ष जी20 के आयोजित होने वाले लगभग 200 सम्मेलनों में तीसरी दुनिया और वंचितों की समस्या के हल की तलाश की जाएगी?

कुछ कदम जो उठाए गए हैं, उनके बारे में ब्यौरा तो दिया जाता है कि देश में सहकारिता की भावना को पुन: जीवित किया जाएगा। ग्रामीण और कुटीर उद्योगों का विकास किया जाएगा। दस्तकारी से बनी वस्तुओं के निर्यात को बढ़ाया जाएगा। इस बजट सत्र में अगर इन कदमों को सार्थक और पुख्ता करने के लिए कुछ व्यावहारिक कदम भी उठाए जा सकें तो बेहतर होगा न कि ग्रामीण क्षेत्रों और ग्रामीण दस्तकारी के विकास के नाम पर, निर्यात बढ़ाने के नाम पर धनकुबेरों को ही इन क्षेत्रों में आने की इजाजत दे दी जाए व स्टार्टअप उद्योगों में भी धनी-मानी नजर आयें।

अमृत कलश की होड़ में मानस मन का मंथन!

नरेश कौशल

बचपन में जब हम खुली छतों पर सोया करते थे तो मां और दादी नीले आकाश में विद्यमान एक अलौकिक परिवार से अक्सर परिचय कराया करती थीं। केवल बादलों, तारों और चंदा मामा की लुकाछिपी को देखते हुए उनसे हाथी-घोड़ों की आकृतियों की परिकल्पना भी हम किया करते थे। दादी और मां हमारा ध्यान खींचा करती थीं तारों के एक विशेष समूह की ओर। हमारे भीतर विश्वास जगाया जाता था कि ये सप्तऋषि हैं। ननिहाल में प्रवास के दौरान नानी के कथन से हमारे भीतर पैदा हुए विश्वास की पुष्टि हो जाया करती थी। आसमान के तारे तोड़ लाने की परिकल्पना भी बचपन से ही हमारे भीतर कूट-कूट कर भर दी जाती थी।

बाल्यकाल की वे मीठी यादें ताजा उस वक्त हुईं जब वर्ष 2023-24 के केंद्रीय बजट प्रस्तुतीकरण के दौरान एक नया भारी-भरकम शब्द सामने आया सप्तऋषि। जो भी सरकार आती है, उसका आना जुमलों की सवारी के जरिये होता है। अब चाहे उसका चुनावी घोषणापत्र हो या चुनावी दृष्टिपत्र हो, वे लुभाने वाले शब्दजाल से लकदक ही दिखते हैं। एक पार्टी से दु:खी अवाम दूसरी पार्टी के जुमलों पर भरोसा करके गच्चा खा जाती है। लगता है अवाम की नियति ही सियासतदानों के शब्दजाल व सब्जबाग में फंसना लिखी होती है। दूसरे शब्दों में कहें तो नेता सपनों के सौदागर हैं। सपनों के सब्जबाग दिखाकर ही उनकी राजनीति की नैया पार होती रहती है। फिक्र का जिक्र ये है कि कभी इस बात का ऑडिट नहीं होता कि जो घोषणा पिछले चुनाव या साल में हुई थी, उसकी जमीनी हकीकत क्या है? कितने लोगों को फायदा वाकयी हुआ। लाभ पाने वालों के चंद नाम गिने जाते हैं। बाकी सरकारी कर्मचारियों की आंकड़ों की बाजीगरी होती है। कहते भी हैं आंकड़े तो कच्ची मिट्टी की तरह होते हैं। अब तो बनाने वाले के दिमाग पर निर्भर करता है कि वो इस कच्ची मिट्टी से अवाम के देवता बनाता है या अवाम को दुखी करने वाला दानव बनाता है। वैसे ही जैसे इस साल के आम बजट पर सियासी बयानबाजी हो रही है। सरकार वाली पार्टी के नेता कह रहे हैं वाह जी-वाह क्या बजट है। वहीं विपक्षी नेता इसे गरीब व किसान विरोधी बता रहे हैं।

बहरहाल, गद्दीनशीं सरकार के दौर में भारी-भरकम शब्दों के जरिये जो लच्छेवाली सियासत आमतौर पर की जाती है, उसकी छाप इस बजट में देखी गई है। इस बजट को अमृतकाल का बजट बताया जा रहा है। जैसे कि अवाम के हिस्से में कल्याण का रस बरसने ही वाला हो। सब कुछ मीठा-मीठा ही होने वाला हो। कायदा तो ये है कि इन अमृत की बूंदों का अहसास हकीकत में भी तो नजर आये। जनता की जिंदगी में बदलाव तो आये। कुछ तो अमृत महोत्सव में अमृत बरस लिया, जो बचा है लगता है इस आम बजट के जरिये बरस लेगा। सब को पता है कि इस साल नौ राज्यों में चुनाव होने वाले हैं। उसके बाद तो चुनाव का महाकुंभ होगा, जिसके लिये अलग से अमृत बरसेगा। सरकार कहती है कि वह सप्तऋषि के सात लक्ष्यों के जरिये विकास का आधार बनाएगी, जिसमें विकास के जरूरी लक्ष्य रखे गये हैं। खजाना मंत्री ने कहा कि देश के विकास में सात बिंदुओं पर ही फोकस करने का इरादा है। इस सप्तऋषि नजरिये का पहला स्तंभ है- समावेशी विकास। यानी हर जाति-धर्म और वर्ग से परे सबका विकास। दूसरे ऋषि नजरिये का मकसद है- हाशिये पर गये लोगों को तरजीह देना। तीसरा है मुल्क के लिये बुनियादी ढांचा बनाना और निवेश को तरजीह। चौथा है क्षमताओं को बढ़ाना। पांचवां हरित विकास यानी तरक्की का नजरिया ऐसा हो जिससे अवाम की जिंदगी सुरक्षित व सुकून वाली रहे। यानी कुदरत की नेमतों को बचाकर रखा जा सके। छठे ऋषि स्तंभ हैं युवा ताकत को तरजीह देना। सबको पता है कि दुनिया में हिंदुस्तान ही ऐसा मुल्क है जहां सबसे ज्यादा तादाद में नौजवान रहते हैं। उनकी तरक्की को तरजीह देना हर सियासी पार्टी का फर्ज होना चाहिए। सप्तऋषि की कड़ी में सातवां मकसद आर्थिक क्षेत्र है। सरकार की बात का लब्बोलुआब है कि अवाम की शिरकत से हर तबके के साथ, सबका भला करना। दरअसल, हकीकत यह है कि भारतीय पौराणिक ग्रंथों में मुख्यरूप से सात ऋषियों का जिक्र किया गया है। इन सातों ऋषियों में कश्यप, अत्रि, भारद्वाज, विश्वामित्र, गौतम, जमदग्नि व वशिष्ठ शामिल हैं। ये ऋषि अपने-अपने समय में लोककल्याण के कार्यों के लिये जाने जाते हैं। देश की अवाम की भलाई के लिये काम करने के इनके गुणों के कारण सप्तऋषि का विचार सामने आया है। पर मौजूं सवाल ये है कि सियासत के कहने-करने में इन ऋषियों का कुछ भी अंश है? आमतौर पर नेता कहते कुछ हैं और करते कुछ हैं। बड़े-बड़े नाम गिनाने से क्या अवाम का भला खुद-ब-खुद हो जायेगा? हुक्मरानों की नीति व नीयत भी तो साफ होनी चाहिए।

होना तो यह चाहिए कि अमृतकाल में अवाम के हिस्से में भले ही अमृत न आये, मगर नलों में पानी तो आ जाये। महंगाई खत्म न हो मगर कम तो हो। सरकार सोच ले जब भरपूर फसल के बावजूद किसान घाटे में है और खरीददार भी महंगे दाम चुका रहा है तो मुनाफा कौन खा रहा है? देख लें कि महंगाई बढ़ने के असली कारण क्या हैं? क्यों बेरोजगारों की लाइन लंबी होती जा रही है? क्यों अमीर ज्यादा अमीर हुआ है और गरीबी का दायरा बढ़ता जा रहा है? कौन है वो जो रात-दिन मेहनत करके नौकरी के लिये प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने वाले का पेपर मुनाफे के लिये आउट कराके उसके अरमानों पर पानी फेर जाता है? ऐसे में अमृत की बात तो हो मगर उसका अहसास अवाम को भी तो हो। आज के लोकतंत्र में क्या हमारी धार्मिक और पौराणिक आस्था का शोषण सियासी जुमलों से किया जाने लगा है?

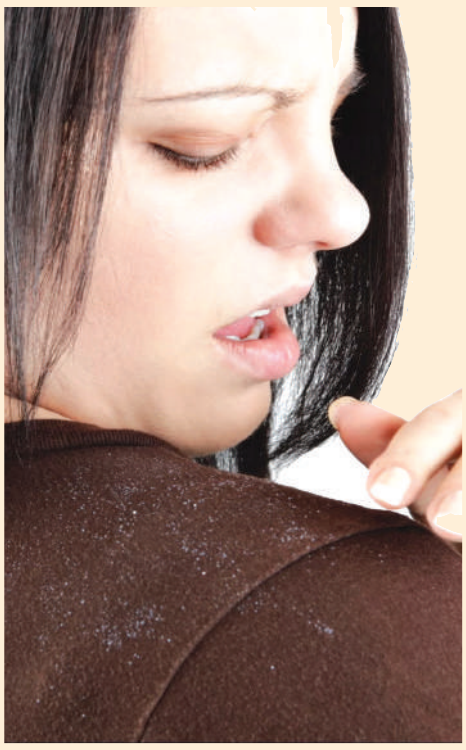

हेयर फॉल और डैंड्रफ में बेहद असरदार है

करी पत्ता

बालों की ग्रोथ के लिए फायदेमंद

अगर आप अपने बालों को बढ़ाना चाहते हैं, तो इसके लिए करी पत्ते का इस्तेमाल कर सकते हैं। करी पत्ता बंद हेयर फॉलिकल्स को खोलने में मदद करते हैं, जिससे स्कैल्प को सांस लेने का मौका मिलता है। इससे हेयर ग्रोथ अच्छी होती है। इसके लिए कुछ करी पत्तों के साथ बराबर मात्रा में मेथी के पत्ते और एक आंवला मिलाकर पीस लें। चाहें तो आंवला पाउडर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। अब इस मिश्रण में आधा चम्मच पानी मिलाकर इस पेस्ट को आधे घंटे तक बालों में लगाएं और फिर सिर धो लें।

डैंड्रफ में असरदार

डैंड्रफ एक आम हेयर प्रॉब्लम है, जिससे कई लोग अक्सर प्रभावित रहते हैं। खासकर सर्दियों में डैंड्रफ की समस्या काफी बढ़ जाती है। ऐसे में इस समस्या से निजात पाने के लिए आप एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर करी पत्ता का उपयोग कर सकते हैं। मुट्ठीभर करी पत्तों को पीसकर इसमें दो चम्मच दही मिलाकर सिर पर लगाएं। अब 15 से 20 मिनट बाद बालों को धो लें। एलोवेरा और नींबू का इस्तेमाल कर डैंड्रफ की छुट्टी कर सकते हैं। इसके लिए एक बाउल में 3-4 चम्मच एलोवेरा जेल लें, एक-दो चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इस मिश्रण से स्कैल्प पर मासाज करें, करीब 30 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें।

खाने में इस्तेमाल होने वाली कई चीजें हमारी सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होती है। खाने का स्वाद बढ़ाने वाली ये चीजें हमारी त्वचा और बालों के लिए भी काफी लाभदायक होती है। इन्हीं चीजों में से एक करी पत्ता न सिर्फ खाने का स्वाद और इसकी सुगंध बढ़ाता है, बल्कि हमारे बालों को भी कई तरह से फायदा पहुंचाता है। एंटीमाइक्रोबियल गुणों से भरपूर करी पत्ता में आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशीयम, फॉस्फोरस और विटामिन बी और सी की भी अच्छी मात्रा पाई जाती है। यह सभी पोषक तत्व हमारे बालों के लिए काफी गुणकारी होते हैं। अगर आप भी बालों जुड़ी समस्याओं जैसे डैंड्रफ, बालों का झड़ना आदि से परेशान हैं, तो करी पत्ते का इस्तेमाल कर सकते हैं।

बालों को बनाए चमकदार

बालों की मजबूती के लिए अमीनो एसिड बेहद जरूरी होता है। करी पत्ता में अमीनो एसिड होने की वजह ये यह बालों के लिए फायदेमंद है। साथ ही करी पत्ते की मदद से आप अपने बालों का प्राकृतिक चमक वापस पा सकते हैं। नारियल के तेल को गर्म कर इसमें मुट्ठीभर करी पत्ता पकाएं। अब ठंडा होने पर इस तेल को छानकर रखें और फिर इसे बालों में लगाएं।

हेयर डैमेज में लाभदायक

अगर आप रूखे और बेजान वालों की समस्या से परेशान हैं, तो इसमें भी करी पत्ता मददगार साबित होगा। एक कटोरी में नारियल तेल में कुछ करी पत्ते डालकर गर्म करें। जब पत्ते काले हो जाएं, तो गैस बंद कर दें और तेल को ठंडा होने दें। अब इस तेल को गुनगुना कर नहाने के एक घंटा पहले सिर की मालिश करें और फिर हेयर वॉश कर लें।

हेयर फॉल को रोके

धूल-मिट्टी और प्रदूषण की वजह से इन दिनों हेयर फॉल एक आम समस्या बन गई है। ऐसे में इस समस्या से निजात पाने में भी करी पत्ता सहायक साबित होगा। इसके लिए करी पत्ते और मेथीदाने को नारियल के तेल अच्छे से पकाएं। अब इस तेल से हफ्ते में एक बार सिर की मसाज करें और एक से डेढ़ घंटे बाद बालों को धोएं। चाहें तो इसे रातभर लगाकर भी सो सकते हैं।

हंसना मना है

भिखारी: साहब एक रुपया दे दो। साहब: तुम्हे शरम नही, रोड पर खड़े होकर भीक मांगते हो, भिखारी: अब तुझे एक रूपये मांगने के लिए ऑफिस खोलु क्या?

साइकिल चलाकर पैर दुखे तो बाईक ली, बाईक चलाकर पीठ दुखी तो कार लाये, कार चलाकर पेट निकला तो जिम ज्वाइन किया और जिम में वापस साइकिल, इसे कहते हैं रिसायक्लिंग।

लड़का फोन पे अपने दोस्त को: क्या बे कुत्ते के पिल्ले, आया क्यों नही..? जबाब आया: कुत्ते का पिल्ला नहाने गया है, मैं कुत्ता बोल रहा हूं.. लडका: सॉरी अंकल।

पत्नी: आप मुझे रानी क्यों बोलते हो? पति: क्योंकि नौकरानी थोड़ा लम्बा शब्द हो जाता है.. पत्नी गुस्से से: तुम्हे पता है कि मै तुम्हें जान क्यों बोलती हूं? पति: नहीं.. बताओ तो जरा.. पत्नी: जानवर थोडा लम्बा शब्द हो जाता है इसलिए सिर्फ जान बोल देती हूं।

एक नई शादीशुदा औरत कोक पी रही थी, उसमें एक मच्छर गिर गया, औरत ने उसे निकाला तो मच्छर बोला, मां! औरत: तूने मुझे मां क्यों कहा? मच्छर: मैं तेरी कोक से निकला हूं, मां!

कहानी | तीन मछलियां

एक घने जंगल के अंदर बड़ा-सा तालाब था। उस तालाब में बहुत सारी मछलियां रहती थीं, जिनमें से तीन मछलियां एक-दूसरे की पक्की दोस्ती थी। इन तीनों का स्वभाव बिलकुल अलग था। इनमें से दो बहुत समझदार थीं। पहली संकट आने के पहले ही अपना बचाव कर लेती थी। दूसरी संकट आने पर अपनी सुरक्षा कर लेती थी, जबकि तीसरी सब कुछ भाग्य पर छोड़ देती थी। तीसरी मछली कहती कि अगर भाग्य में संकट होगा, तो हम कुछ नहीं कर सकते और भाग्य में नहीं होगा, तो कोई भी हमारा कुछ नहीं कर सकता। एक दिन एक मछुआरे ने देखा कि तालाब मछलियों से भरा पड़ा है। उसने तुरंत अपने बाकी साथियों को इस बारे में बताया। मछुआरे और उसके साथियों ने मछलियों को पकड़ने का फैसला किया, लेकिन मछली ने मछुआरे और उसके साथियों के बीच की बातचीत सुन ली थी। उसने तुरंत तालाब में रहने वाली सभी मछलियों को इकट्ठा किया और सारी बात बता दी। पहली मछली बोली कि हो सकता है कि कल मछुआरे आकर हमें जाल में पकड़ कर ले जाएं। उससे पहले ही हमें यह स्थान छोड़ देना चाहिए। तभी तीसरे नंबर की मछली बोली कि अगर वो कल नहीं आए तो? यह हमारा घर है, हम कैसे इसे छोड़ कर जा सकते हैं। अगर भाग्य में लिखा होगा, तो हम कहीं भी हों मारे जाएंगे और नहीं लिखा होगा, तो हमें कुछ नहीं होगा। कुछ मछलियों ने तीसरे नंबर की मछली की बात मान ली और वहीं रुक गईं। अन्य दो मछलियां तीसरी मछली को समझाने में असमर्थ थीं, इसलिए उन्होंने बाकी मछलियों के साथ तालाब छोड़ दिया। अगले दिन, मछुआरे और उसके साथियों ने अपना जाल डाला। जो मछलियां रह गईं थीं वे सभी पकड़ी गईं। जो मछलियां भाग गईं थीं उन सभी की जान बच गई और जो तालाब में रुक गईं थी वे सभी मछुआरों के द्वारा पकड़ ली गईं। मछुआरे ने उन्हें एक टोकरे में डाल दिया, जहां सभी तड़प तड़प के मर गईं।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज का दिन बहुत ही अच्छा रहेगा। कोई जरुरी काम आज टाइम से पूरा हो जायेगा। आज किसी जरुरतमंद की मदद करने में संकोच न करें।

वृषभ आज आपके दिमाग में मनोरंजन की बात छाई रहेगी। आगे कदम बढ़ाएं और आपने दोस्तों और परिवार जनों के साथ मिल कर कुछ खास करें।

मिथुन कार्य स्थल पर नवीन समीकरणों के चलते आप पूरे समय व्यस्त रहेंगे। कुछ रुकी हुई परियोजनाएं अब प्रगति कर सकती है। यदि राजनीतिक क्षेत्र में हैं, तो आपके काम की प्रशंसा होगी।

कर्क आज का दिन मिला-जुला रहने वाला है। निगेटिव थॉट्स को आज दिमाग में न आने दें। धनलाभ का योग बन रहा है, साथ ही खर्चों में भी इजाफा होने वाला है।

सिंह आज दिन की शुरुआत में कुछ रुकावटें आ सकती हैं। सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। आज आपको आर्थिक योजना मैं लाभ मिलेगा।

कन्या आज आप में से कुछ लोगों को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। अपने साहस और संगठित कार्य के बल पर आप आसानी से उन पर पर विजय प्राप्त कर सकतें हैं।

तुला आज कार्यक्षेत्र में आज आपको कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। आपकी समझ और विनम्रता से लोग काफी प्रभावित होंगे।

वृश्चिक आज आपका कोई छुपा विरोधी आपको गलत साबित करने की पुरजोर कोशिश करेगा। आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

धनु आज के दिन आप में से कुछ की इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। व्यवस्थित रूप से कार्य करने पर चीजें आपको आगे बढ़ाएंगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मकर आज आपको किस्मत का साथ मिलेगा। छोटे-मोटे धनलाभ होते रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें। इस राशि के टीचर का आज ट्रांसफर किसी ऐसी जगह हो सकता है।

कुम्भ आज का दिन ईश्वर के स्मरण में बीतेगा। धार्मिक कार्य में आप व्यस्त रहेंगे। नौकरी-व्यवसाय में अनुकूल परिस्थिति रहेगी। आज आपका हर कार्य सरलता से पूर्ण होगा।

मीन आज आपको मिले-जुले परिणाम मिलेंगे, लेकिन अंतत: चीजें आपके पक्ष में और आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगी। पूर्वार्ध में थोड़ा निराश हो सकते हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

स्ट्रगल के दिनों में नोरा को लगा था लाखों रुपये का चूना

नोरा फतेही को सभी एक डांसिंग डीवा के रूप में जानते हैं। बाहुबली के मनोहारी गाने में नोरा फतेही का डांस देख हर कोई दंग रह गया। बिग बॉस सीजन-9 में भले ही वो 12वें हफ्ते में ही बेघर हो गईं लेकिन लोगों के दिलों में हमेशा के लिए समा गईं। नतीजा उनके पास काम की बहार लग गई। आज लोग उन्हें दिलबर गर्ल के नाम से जानते हैं। इस विदेशी गुड़िया पर भारत का रंग इस कदर चढ़ा कि बहुत कम लोग जानते हैं कि इनके पास भारत की नागरिकता तक नहीं है।

जब नोरा फतेही भारत आईं तो उन्होंने फिल्मों में काम के लिए एक एजेंसी में खुद को रजिस्टर करवाया था। इन एजेंसियों के जरिए ही किसी भी स्ट्रगलिंग एक्टर को काम मिलता है। नोरा उन्हें 20 लाख रुपए दे चुकी थीं लेकिन हाथ में कोई भी ढंग का काम नहीं था। नोरा ने डिसाइड किया कि वो अपनी एजेंसी बदल देंगी। जब उन्होंने छोड़ने का मन बनाया तो एजेंसी ने उन्हें उनके 20 लाख देने से मना कर दिया। एक इंटरव्यू के दौरान नोरा कहती हैं कि मैं जानती थी कि उस एजेंसी के साथ जुड़े रहना मेरे करियर के लिए सही नहीं है इसलिए मैंने पैसों की कुर्बानी दी। नोरा फतेही की फैमिली मोरक्को से है लेकिन वो पली बढ़ीं कनाडा में। उन्हें शोहरत भारत में मिली इसलिए वो हमेशा कहती भी हैं कि वो दिल से हिंदुस्तानी हैं। बता दें कि नोरा फतेही अभी भी कनाडा की ही नागरिक हैं उन्हें अभी तक भारतीय नागरिकता नहीं मिली है। नोरा फतेही की झोली में जो सबसे पहली फिल्म आई वो थी Roar। फिल्म के डायरेक्टर थे कमल सदाना।

गोवा में शिवालिका संग अभिषेक लेंगे सात फेरे

बॉलीवुड में इस समय शादियों का सीजन चल रहा है। लगातार हस्तियों की शादी की खबरें सामने आ रही हैं। अब फिल्म दृश्यम-2 के मशहूर डायरेक्टर अभिषेक पाठक और खुदा हाफिज एक्ट्रेस शिवालिका ओबेरॉय अपनी जिंदगी का एक नया अध्याय शुरू करने जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिषेक और शिवालिका इसी महीने यानी 9 फरवरी को शादी कर रहे हैं। दोनों की शादी का आयोजन गोवा में किया गया है। शिवालिका और अभिषेक से जुड़े एक सूत्र ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि शादी का आयोजन भव्य किया जा रहा है। वहीं, एक्ट्रेस ने अपनी शादी का हिंट देते हुए इंस्टाग्राम पर कुछ दिन पहले अभिषेक के साथ फोटोज भी शेयर की थीं।

इन तस्वीरों के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, आकाश सितारों से भरा हुआ है, समुद्र तट पर स्टारफिश भरी हुई हैं और वो मुझे घूर रहा है। हैलो फरवरी। इसके साथ एक्ट्रेस ने इनफिनिटी का साइन बनाया है। यहां पहली फोटो में अभिषेक समुद्र किनारे शिवालिका के हाथ थामें खड़े हैं। दूसरी फोटो में सिर्फ दोनों के पैर दिख रहे हैं रिपोर्ट्स के मुताबिक, शिवालिका और अभिषेक लंबे समय से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। डायरेक्टर ने शिवालिका को तुर्की में प्रपोज किया था। इसके बाद दोनों ने बीते वर्ष 24 जुलाई को शिवालिका के बर्थडे पर सगाई कर ली। वहीं, एक्ट्रेस ने पूरे 2 महीने बाद अपने इस रिश्ते को ऑफिशियल कर दिया।

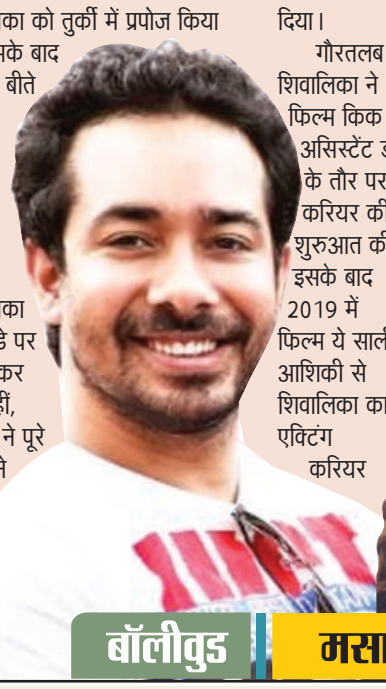

गौरतलब है कि शिवालिका ने 2014 में फिल्म किक से असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद 2019 में फिल्म ये साली आशिकी से शिवालिका का एक्टिंग करियर शुरू हुआ। हालांकि, उन्हें पहचान खुदा हाफिज से ही हासिल हुई। वहीं, अभिषेक के लिए काफी अच्छा वक्त चल रहा है। पिछले साल रिलीज हुई उनकी फिल्म दृश्यम 2 को बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल हुई।

बॉलीवुड | मसाला

बिग बॉस के घर से बाहर हुई निमृत कौर

बिग बॉस 16 अपने ग्रैंड फिनाले से कुछ ही दिन दूर है। इस फेज में किसी भी कंटेस्टेंट का शो से बाहर होना दिल तोड़ने वाला होगा। टॉप 6 कंटेस्टेंट्स में निमृत कौर अहलूवालिया, शिव ठाकरे, प्रियंका चाहर चौधरी, शालीन भनोट, एमसी स्टेन और अर्चना गौतम हैं। ये छह ट्रॉफी जीतने के लिए पूरी शिद्दत के साथ जुटे हुए हैं। लेकिन अब टाइम है टॉप 5 के नाम सामने आए। बिग बॉस 16 के 6 फरवरी के एपिसोड में फैंस कंटेस्टेंट से मिलने के लिए घर में एंट्री करेंगे। इन फैंस के वोटों के आधार पर ही शो के टॉप-5 कंटेस्टेंट्स को चुना जाएगा।

कलर्स टीवी के लेटेस्ट प्रोमो वीडियो में सभी कंटेस्टेंट एक-एक कर स्टेज पर जाते हैं और फैंस को इम्प्रेस करने की पूरी कोशिश करते देखे जाते हैं। इस दौरान शिव ठाकरे को जोरदार रिस्पॉन्स मिलता है जबकि अर्चना गौतम को फैंस से वैसा रिस्पॉन्स नहीं मिलता जिसकी उन्हें उम्मीद थी। अब, अगर सोशल मीडिया की चर्चा की जाए, तो दर्शकों ने शो के टॉप-5 कंटेस्टेंट्स का फैसला किया है और निमृत कौर अहलूवालिया इस लिस्ट में शामिल नहीं हैं। हालांकि, निमृत शो से बाहर हुई या नहीं इसे लेकर ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है। BiggBoss_Tak ने ट्वीट किया है निमृत कौर अहलूवालिया को शो से बाहर कर दिया गया है। उन्होंने फिनाले वीक का टिकट हासिल किया था और वह घर की आखिरी कैप्टन भी थीं। हालांकि, निमृत के एविक्शन की अभी कोई ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं हुई है। लेकिन अगर यह सच है, तो बिग बॉस 16 के घर के अंदर मंडली से केवल दो सदस्य बचे रहेंगे।

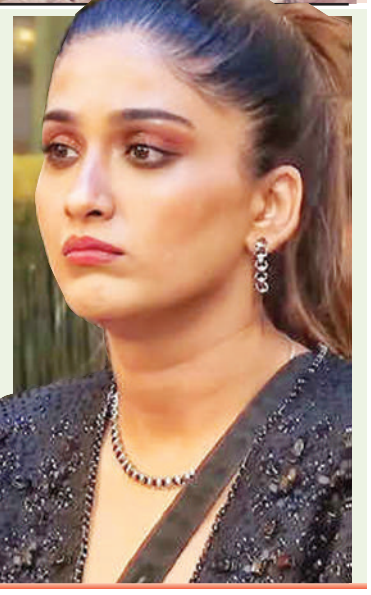

अजब-गजब | शरीर काला कर कराते हैं सड़कों पर परेड

शादी से पहले रोज 1 घंटे रोती है दुल्हन

शादी में बहुत सारी परंपराएं निभाई जाती हैं। तैयारियों की शुरुआत से लेकर आखिरी दिन तक कई तरह की रस्में होती हैं। इनमें से कुछ रस्में ऐसी होती हैं, जो सदियों से हमारे समाज में निभाई जाती हैं। शादी में अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग तरह की परंपराएं और रस्में होती हैं। वहीं कुछ जगहों पर बड़े ही अजीबोगरीब रीति-रिवाजों का पालन किया जाता है। आज हम आपको ऐसी ही शादी से जुड़ी कुछ ऐसी ही परंपराओं के बारे में बताने जा रहे हैं।

1. शादी से पहले रोने की रस्म

शादी में वैसे तो हंसी खुशी और मजाक का माहौल होता है। हालांकि विदाई के वक्त दुल्हन रोती है। लेकिन चीन के कुछ हिस्सों में शादी से एक महीने पहले दुल्हन को रोज एक घंटा रोना होता है। ये शादी की तैयारी की एक परंपरा है।

2. शरीर काला कर सड़कों पर परेड

स्कॉटलैंड की एक परंपरा के मुताबिक दूल्हे और दुल्हन के दोस्त कालिख, गुड़ और आटे से पहले उन्हें काला करते हैं उसके बाद उनसे सड़कों पर परेड करवाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस परंपरा से बुरी आत्माएं दूर भाग जाती हैं और शादी में कोई परेशानी नहीं आती।

3. बाथरूम नहीं जाने दिया जाता 3 दिन तक

मलेशिया और इंडोनेशिया में टिडोंग जनजाति के लोग नवविवाहित जोड़े को बाथरूम नहीं जाने देते। उन पर नजर रखने के लिए एक गार्ड भी रखा जाता है। इसी वजह से नवविवाहित जोड़ा 3 दिनों तक बहुत कम खाना खाते हैं। ऐसा उनकी खुशहाली और उनके रिश्ते को टूटने से बचाने के लिए और होने वाले बच्चों के लिए किया जाता है।

4. शादी के दिन ना मुस्कुराने की परंपरा

कांगो की कुछ जगहों पर शादी जैसे खुशी के अवसर पर ना मुस्कुराने की परंपरा है। शादी का दिन वैसे तो सबके जीवन में बहुत ही खुशी का दिन होता है लेकिन कांगो में शादी के दिन दोनों परिवार मिलकर पैसे और पशुओं के लेन देन की बात करते हैं।

5. दुल्हन पर थूकने की परंपरा

सुनने में बहुत ही अजीब लगता है लेकिन ऐसा सच में होता है। केन्या के मसाई लोगों में ऐसी ही अजीब सी परंपरा है। दुल्हन के पिता अपनी बेटी के सिर और चेस्ट पर थूकते हैं। यह दुल्हन के लिए आशीवार्द माना जाता है।

मछली ने लीक कर दिया क्रेडिट कार्ड का डेटा और कर ली शॉपिंग

क्या कोई मछली किसी के क्रेडिट कार्ड की डिटेल्स लीक कर सकती है क्या? सुनने में अजीब लग रहा होगा लेकिन यह सच है और हाल ही में ऐसा हुआ है। YouTube पर लगभग 100,000 सब्सक्राइबर्स वाले एक जापानी गेमर के क्रेडिट कार्ड की डिटेल्स को उसकी पालतू मछली ने लीक कर दिया। Mutekimaru नाम के लाइव स्ट्रीमर का चैनल बहुत लोकप्रिय है। ये गेमर वीडियो गेम खेलने के लिए मछलियों का उपयोग करते हैं। आपको आश्चर्य हो रहा होगा कि ये कैसे काम करता है। दरअसल, यूट्यूबर ने एक ऐसी प्रणाली तैयार की है जो उनकी मछली को Nintendo स्विच पर पोकेमोन गेम खेलने की अनुमति देती है। दरअसल, यूट्यूबर ने अपने फिश टैंक को कुछ मोशन सेंसर के साथ सेटअप किया है, जो Mutekimaru के गेमिंग डिवाइस पर बटन के रूप में कार्य करता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, जब मछली किसी एक सेंसर के सामने तैरती है, तो एक वेबकैम उसे सलेक्ट कर रिकॉर्ड करता है और गेम को परिणाम भेजता है। यह गेम के कैरेक्टर को बताता है कि किस तरह से आगे बढ़ना है या कैसे निर्णय लेना है। पोकेमोन गेम खेलने के दौरान मछली ने खेल को हरा दिया और साझा किए गए वीडियो को 450,000 से अधिक बार देखा गया। हालांकि, इस दौरान जब मछली ने लाइव स्ट्रीम (1,000 घंटे से अधिक के खेल के बाद) के दौरान पोकेमोन वायलेट खेला, तो कुछ गड़बड़ हो गई और Nintendo Switch होम स्क्रीन पर डिफॉल्ट हो गया। इसके बाद मछली की मूवमेंट से अनजाने में निन्टेंडो ईशॉप खुल गया। यहां मछली ने अपने मालिक के क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके चार डॉलर के मूल्य के अंक खरीदे। दुर्भाग्य से क्रेडिट कार्ड की जानकारी लाइव स्ट्रीम दर्शकों के सामने आ गई थी। मछली द्वारा अपने मालिक के क्रेडिट कार्ड से खरीदारी करने का दुनिया का पहला चौंकाने वाला मामला है। हालांकि यह तो मछली के कारनामे की शुरुआत भर थी। इसके अलावा मछली ने निंटेंडो 64 गेम खेलने के लिए एक ऐप डाउनलोड किया। इसके बाद गेम में एक नए कैरेक्टर के लिए यूट्यूबर के पास पुष्टिकरण ईमेल आए, जिसमें Mutekimaru के अकाउंट का नाम बदलकर रोववावावा करने के लिए पूछा गया। हालांकि यूट्यूबर की किस्मत अच्छी थी कि इस दौरान स्विच कंसोल बंद हो गया। इसके बाद Mutekimaru ने Nintendo से संपर्क किया और स्थिति समझाई। इसके बाद कंपनी ने उन्हें रिफंड दे दिया।

आरक्षण खत्म करने के लिए निजीकरण को बढ़ावा दे रही सरकार : अखिलेश

» भागवत के बयान पर कसा तंज- इंसान के सामने जाति-वर्ण को लेकर क्या स्थिति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ट्वीट कर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर तंज कसा। उन्होंने लिखा कि भगवान के सामने तो स्पष्ट कर रहे हैं। कृपया इसमें यह भी स्पष्ट कर दिया जाए कि इंसान के सामने जाति -वर्ण को लेकर क्या वस्तु स्थिति है? इस ट्वीट के बाद सपा समर्थक सोशल मीडिया पर अलग-अलग बयान जारी कर रहे हैं। दूसरी तरफ पार्टी कार्यालय से सपा अध्यक्ष के जारी बयान में भाजपा सरकार पर लगातार पिछड़ों और दलितों की उपेक्षा का आरोप लगाया गया है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार साजिश के तहत पिछड़ों, दलितों के आरक्षित पद खत्म कर रही है। आरक्षण को खत्म करने के लिए रणनीति के तहत निजीकरण को बढ़ाया दिया जा रहा है। सरकारी विभागों में जो नौकरियां और भर्तियां निकलती है उनमें भी पिछड़ों और दलितों की कोई न कोई कारण बताकर भर्ती नही की जा रही है। बाद में सरकार इन खाली पदों पर अपने चहेतों की भर्तियां कर लेती है।

पीजीआई की भर्ती में आरक्षण के नियमों की अनदेखी

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एसजीपीजीआई में हो रही भर्ती के मामले में जारी बयान में कहा कि एसजीपीजीआई में आरक्षण के नियमों को दर किनार कर अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित पदों को खाली छोड़ दिया गया। प्रदेश में विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति में भी दलितों, पिछड़ों की उपेक्षा की गई है। 69 हजार शिक्षक भर्ती में बड़े पैमाने पर अनियमितता हुई। यही वजह है कि समाजवादी पार्टी पिछड़ों और दलितों को हक दिलाने के लिए लंबे समय से जातीय जनगणना की मांग करती आ रही है। लेकिन भाजपा सरकार जातीय जनगणना का विरोध कर रही है। भाजपा जातीय जनगणना से डरती है।

मुख्यमंत्री जी फूलों को भी बचाइए और विविधता की सुगंध को भी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में होने वाले 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' से पहले लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास से लेकर आईजीपी तक सजाए गए फूल के 100 गमले गायब हो गए हैं। अब इसी पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ट्वीट कर निशाना साधा है। अखिलेश ने ट्वीट कर लिखा, माननीय से निवेदन है कि थोड़ा इनवेस्टमेंट सुरक्षा पर भी करे, मुख्यमंत्री जी के आवास से फूलों के गमले चोरी होने की ख़बर उच्च सुरक्षा क्षेत्र के लिए शोभनीय नहीं,माननीय से आग्रह है विविध रंगों के फूलों को भी बचाइए और विविधता की सुगंध को भी।

गड्ढे में लेटकर धरना दे रहे पूर्व पार्षद का वीडियो किया ट्वीट

वाराणसी की नई सड़क पर बह रहे पानी के विरोध में लोगों में आक्रोश है। इसी को लेकर पूर्व पार्षद शाहिद अली खान उर्फ़ मुन्ना ने पानी भरे गड्ढे में लेटकर धरना दिया। वायरल वीडियो को सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने ट्वटीर हैंडल से ट्वीट किया है, अखिलेश यादव ने ट्वीट कर लिखा, भइया काशी नहीं बन पाया अभी तक क्योटो, दिल्ली-लखनऊ वाले यहां भी खिंचवाएं फोटो।

एक्सप्रेस वे पर हादसा

12 किमी तक शव को घसीटती रही कार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। मांट में यमुना एक्सप्रेस वे पर माइल स्टोन -12 के समीप गार्ड ने कार के नीचे फंसे शव को घिसटता हुआ देखा। टोल प्लाजा के पास जब कार पहुंची, तो जानकारी हो सकी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है।

आगरा से नोयडा की तरफ जा रही कार के नीचे युवक की लाश फंसी हुई थी। कार अपनी गति से दौड़ रही थी, इस बीच चालक को पता ही नहीं चला कि कोई लाश गाड़ी में फंसी हुई घिसट रही है। कार जब टोल प्लाजा जाबरा पर रुकी तो सुरक्षा गार्ड को शव फंसा हुआ दिखाई दिया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी। टोल चौकी प्रभारी रजत दुबे ने बताया कि अभी शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है और हादसा किस जगह हुआ यह भी पता नहीं चल सका है।

डिप्टी सीएम का औचक निरीक्षण

कार्यों की खराब गुणवत्ता पर भड़के

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सोनभद्र। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मंगलवार को सोनभद्र जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। अस्पताल के वार्डों में जाकर मरीजों का हाल जाना। उन्हें मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। परिसर में चल रहे कैंटीन के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर असंतोष जताते हुए निर्माण सामग्री का सैम्पल जांच के लिए साथ ले गए। इस दौरान उन्होंने निर्माण के बाद से ही बंद चल रहे बर्न यूनिट को शीघ्र चालू करने के निर्देश दिए।

अस्पताल पहुंच मरीजों से जाना हालचाल

दो दिवसीय भ्रमण पर सोनभद्र पहुंचे उप मुख्यमंत्री मंगलवार की सुबह करीब नौ बजे जिला अस्पताल पहुंचे। गेट से ही निरीक्षण शुरू किया। इमरजेंसी देखते हुए वार्ड में गए। इस दौरान गैलरी में जगह-जगह बिजली के तारों को अस्त-व्यस्त देख नाराजगी जताई और उसे व्यवस्थित करने का निर्देश दिया। वार्डों में मरीजों से पूछताछ की। करीब 20 मिनिट यहां रुकने के बाद वह मलिन बस्ती गए। वहां साफ-सफाई सहित अन्य सुविधाएं बेहतर करने के निर्देश दिए। बस्ती में बीमार एक 90 वर्षीय महिला को तत्काल एम्बुलेंस बुलाकर अस्पताल भेजवाया। निरीक्षण के दौरान विधायक भूपेश चौबे, अनिल मौर्य, जिलाध्यक्ष अजीत चौबे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आजमगढ़ : चौकी प्रभारी के खिलाफ ग्रामीणों में रोष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आजमगढ़। गंभीरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले मई खरगपुर गांव के ग्रामीणों ने मंगलवार की सुबह आजमगढ़-वाराणसी मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। ग्रामीण चौकी प्रभारी गोसाई की बाजार के रवैये से नाराज थे और एक व्यक्ति व उसके परिवार को बिना वहज मारने-पीटने का आरोप लगा रहे थे। एएसपी सिटी शैलेंद्र लाल के आश्वासन पर लगभग दो घंटे बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया।

मई खरगपुर गांव निवासी हीरा सरोज व गुल्लू सरोज के बीच भूमि विवाद चल रहा है। इसी विवाद को लेकर मंगलवार की सुबह हीरा सरोज व गुल्लू के परिवार में मारपीट हो गई। मारपीट की इस घटना के बाद गुल्लू अपनी पत्नी सुशीला, पुत्री संजू व रिंका के साथ गोसाई की बाजार चौकी पर शिकायत लेकर पहुंचा।

रिश्तों का हुआ कत्ल : छोटे भाई ने हथौड़ा मारकर की बड़े भाई की हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत में मंगलवार को फिर से रिश्तों के कत्ल की वारदात सामने आई। यहां बिलोचपुर गांव में भाई ने भाई की हत्या कर डाली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

अमीनगर सराय थानाक्षेत्र के बिलोचपुरा गाव में कलयुगी भाई ने शराब के नशे में अपने बड़े भाई की हथौड़े से पीट पीटकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने अपने भाइयों व पुलिस को हत्या की सूचना दी। मोके पर पहुंची पुलिस ने हत्यारोपी को गिरफ्तार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। आरोपी युवक ने अपना जुर्म कबूल कर हथौड़ा भी बरामद कराया।

बिलोचपुरा गाव में नहीम पुत्र यासीन (26) वर्ष अपने छोटे भाई कासिफ के साथ रहता था। जबकि जसके अन्य 5 भाई व

3 बहने खेकड़ा में रहते है। दोनो भाई मजदूरी करते है। सोमवार की रात दोनो भाइयो में कहासुनी हो गई, जिसमें छोटे भाई कासिफ ने हथौड़े से सिर पर वार करके बड़े भाई की हत्या कर दी। उसके बाद हत्यारोपी ने अपने भाइयों व थानापुलिस को घटना की जानकारी देकर अपना जुर्म कबूल किया।

मौके पर पहुंची पुलिस ने हत्यारोपी को गिरफ्तार कर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। ग्रामीणों का कहना है की दोनो भाइयों ने सोमवार की रात अत्यधिक शराब पी थी।

डीजे पर डांस को लेकर हुआ विवाद, युवक की पीट-पीटकर हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर के बिल्हौर में डीजे पर डांस को लेकर हुए विवाद के बाद एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। रहमतपुर गांव स्थित अर्पित गेस्ट हाउस में शादी समारोह के दौरान जनाती और बराती आपस में भिड़ गए। विवाद इतना बढ़ा कि लोगों ने मुनि कुशवाहा को पीटकर मौत के घाट उतार दिया। यह घटना सोमवार देर रात की है। घटना की जानकारी मिलते ही संबंधित थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है।

मोदी और उनके साथियों के खिलाफ नहीं बोलतीं ममता बनर्जी : अधीर रंजन

» कांग्रेस सांसद ने कहा, कि मुझे लगता है कि ममता के अदाणी के साथ अच्छे हैं संबंध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के लोकसभा सांसद अधीर रंजन चौधरी ने अदाणी मुद्दे पर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि ममता बनर्जी का अदाणी के साथ अच्छे संबंध हैं। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी पीएम मोदी और अदाणी के खिलाफ कुछ नहीं बोलती है।

कांग्रेस सांसद ने कहा, कि मुझे लगता है कि ममता बनर्जी के अदाणी के साथ अच्छे संबंध हैं। ताजपुर पोर्ट बंगाल में बन रहा है और हाल ही में अदाणी और पीएम मोदी के साथ उनके संबंधों में बदलाव आया है। वह न तो अदाणी के खिलाफ बोलती हैं और न ही पीएम के खिलाफ। अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि ममता बनर्जी को बंगाल में हम उसे फाइट कहते थे, लेकिन अब वह शांत हो गई है। वहीं, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने अदाणी मुद्दे पर सेबी को पत्र लिखा है। मनीष तिवारी ने कहा,मैंने अदाणी मुद्दे पर सेबी अध्यक्ष को लिखा है, क्योंकि नियामक प्रक्रिया की विश्वसनीयता दांव पर है। इसलिए, सेबी की विश्वसनीयता बहाल करने के लिए अदाणी समूह के खिलाफ उन आरोपों की जांच होनी चाहिए। मनीष तिवारी ने कहा कि हिंडनबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में जो आरोप लगाए हैं वो सही हैं या गलत उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

तुर्की में फिर आया भूकंप, तीव्रता 5.9

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अंकारा। तुर्की में मंगलवार के दिन यानी आज फिर से भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.9 मापी गई है. बीते दिन ही शक्तिशाली भूकंप तुर्की और सीरिया में भयंकर तबाही मचा चुका है। तुर्की और पड़ोसी देश सीरिया में सोमवार को आए 7.8 की तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप में 4000 से अधिक लोगों की मौत हो गई, जबकि हजारों की संख्या में लोग घायल हुए हैं।

4000 से अधिक लोगों की मौत, जबकि हजारों की संख्या में लोग हैं घायल

भूकंप की वजह से हजारों इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है। यहां तक की कई इमारतें तो पूरी तरह मलबे के ढेर में तब्दील हो गई। हालांकि अभी भी हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका है, क्योंकि बचावकर्मी अब भी प्रभावित इलाकों में मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं। सोमवार को सबसे पहले 7.8 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके बाद फिर भूकंप के दो और तेज झटके आए, जिनकी तीव्रता क्रमश: 7.6 और 6.0 थी. आज फिर आए भूकंप के झटकों ने लोगों को बुरी तरह डरा दिया है।

मदद करने पर तुर्किये ने भारत को दोस्त बताया

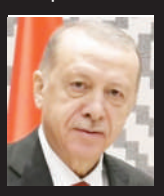

24 घंटे में तुर्किये में आए तीन विनाशकारी भूकंपों के पीड़ितों की मदद करने और धन मुहैया कराने के लिए उदारता दिखाने पर तुर्किये ने भारत का धन्यवाद करते हुए उसे दोस्त करार दिया है। भारत में तुर्किये के राजदूत फिरत सुनेल ने कहा-धन्यवाद, अपना वही है जो समय पर काम आए। इससे पहले, केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने तुर्किये के दूतावास का दौरा किया और शोक व्यक्त किया था।

पीएम मोदी के निर्देश पर पहुंचाया जा रहा मदद

पीएम मोदी के निर्देश पर दिल्ली में भूकंप प्रभावित तुर्किये और सीरिया को मदद पहुंचाने का फैसला किया गया। पीएमओ के विशेष सचिव पीके मिश्रा की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें कैबिनेट सचिव के अलावा गृह मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय व कुछ दूसरे मंत्रालयों के अधिकारी भी मौजूद रहे। इसमें नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स की टीम के साथ स्वास्थ्यकर्मियों के साथ आपदा में काम आने वाली मदद सामग्रियों को भेजने का फैसला किया गया है। 100 सदस्यों की दो एनडीआरएफ टीम प्रशिक्षित श्वानों और आवश्यक उपकरणों के साथ भूकंप प्रभावित इलाके में तलाशी और बचाव अभियान के लिए भेजी गई है। इसके साथ ही प्रशिक्षित चिकित्सकों और पैरा मेडिक की टीम भी आवश्यक दवाओं के साथ रवाना की गई है।

राहत-बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ की टीम हुई रवाना

नई दिल्ली। भारत ने भूकंप पीड़ितों की मदद के लिए तुर्किये को भरसक मदद देने की कोशिश शुरू कर दी है। इसी के तहत शिक्षित डॉग स्क्वॉड और आवश्यक उपकरणों के साथ एनडीआरएफकी टीम गाजियाबाद के हिंडन हवाई अड्डे से तुर्किये के भूकंप प्रभावित क्षेत्र में खोज कार्यों के लिए रवाना हुई। एनडीआरएफ गाजियाबाद के डीआईजी (ऑपरेशन और प्रशिक्षण) मोहसेन शाहेदी ने कहा कि तुर्किये और सीरिया में भयानक भूकंप आने से कई लोगों की मृत्यु हुई है। इसको देखते हुए भारत सरकार ने एनडीआरएफ की 2 टीमें वहां भेजने का निर्णय लिया है।

डैमेज कंट्रोल में जुटा संघ, संतों के निशाने पर आरएसएस प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत के द्वारा पंडितों और जाति-संप्रदाय को लेकर दिए गए उस बयान को लेकर विवाद और भी ज्यादा बढ़ गया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भगवान ने हमेशा बोला है कि मेरे लिए सभी झएक है। उनमें कोई जाति-वर्ण नहीं हैं, लेकिन पंडितों ने श्रेणी बनाई, वह गलत था। मोहन भागवत के बयान पर जहां पंडित समाज अपनी नाराजगी जता रहा है तो वहीं संघ इससे उपजे विवाद को शांत करने के लिए सफाई पेश करता नजर आ रहा है। अयोध्या स्थित राम मंदिर के पुजारी महंत सत्येंद्र दास ने मोहन भागवत के बयान को सिरे से खारिज करते हुए उन्हें झूठा तक करार दे दिया है।

रामलला मंदिर के पुजारी महंत सत्येंद्र दास के अनुसार मोहन भागवत झूठ बोल रहे हैं। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं कहा है कि चातुर्वर्ण्यं मया सृष्टं गुणकर्मविभागश:। इस श्लोक में भगवान श्रीकृष्ण स्वयं कह रहे हैं कि चारों वर्णों की सृष्टि मैंने की है। उनके जैसे गुण एवं कर्म हैं, उसी प्रकार से उनकी जाति का विभाजन हुआ है। महंत सत्येंद्रदास ऋग्वेद की ऋचा 'ब्राह्मण: अस्य मुखम् आसीत् बाहू राजन्य: कृत: ऊरू तत-अस्य यत-वैश्य- पद्भ्याम् शूद्र: अजायत:' का उदाहरण देते हुए कहते हैं इससे पता चलता है कि जाति-व्यवस्था का विभाजन आज से नहीं बल्कि शुरू से चला आ रहा है।

उन्होंने कहा लोगों को जात-पात में विभाजन तो राजनीतिक पार्टियां करती हैं। ये राजनीतिक दल सत्ता को पाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। सत्ता को पाने के लिए ये किसी भी धर्म, किसी भी पुस्तक, किसी भी व्यक्ति या फिर किसी भी जाति का अपमान कर सकते हैं। गलतबयानी करने वालों के लिए महंत सत्येंद्र दास कहते हैं कि ऐसे लोगों को रामलला सद्बुद्धि दे, ताकि वे ऐसी भाषा बोलें जो सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय हो।

अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री और पंच दशनाम जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक महंत हरि गिरि के अनुसार वर्ण की व्यवस्था आज से नहीं बल्कि रामायण काल से पहले से चली आ रही है। हमारा शरीर भी चार वर्णों में बंटा हुआ है। जिसमें सिर को ब्राह्मण, भुजाओं को क्षत्रिय, पेट को वैश्य और पैरों को शूद्र का दर्जा दिया गया है, लेकिन ऐसा करने पर शरीर के किसी भी हिस्से का कोई महत्व कम नहीं हो जाता है। महंत हरिगिरि कहते हैं कि अपनी-अपनी राजनीति के हिसाब से लोग किसी भी चीज का समर्थन या विरोध कर सकते हैं, लेकिन उन्हें यह बात समझनी होगी कि किसी भी व्यक्ति का सम्मान उसका पैर छूकर किया जाता है न कि सिर छूकर, इसलिए समाज में किसी जाति या वर्ण व्यवस्था का महत्व कम नहीं है।

महंत सत्येंद्र दास ने भागवत के बयान को सिरे से खारिज करते हुए उन्हें झूठा तक करार दे दिया

गौरी बनीं मद्रास हाईकोर्ट की जज

» सुप्रीम कोर्ट का नियुक्ति रद्द करने से इंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एल विक्टोरिया गौरी की मद्रास हाईकोर्ट में जज पद पर नियुक्ति रद्द करने से सुप्रीम कोर्ट ने इंकार कर दिया है। उनकी नियुक्ति के खिलाफ याचिका पर आज सुप्रीम कोर्ट सुनवाई में सुनवाई हुई। ये सुनवाई जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस बी आर गवई की बेंच ने की। मद्रास हाईकोर्ट के कुछ वकीलों ने अपनी अर्जी में कहा है कि विक्टोरिया इस पद के योग्य नहीं हैं।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति बी आर गवई की विशेष पीठ इस मामले में सुनवाई कर रही है। सुनवाई के दौरान जस्टिस संजीव खन्ना ने वकील रामचंद्रन ने पूछा एलिजिबिलिटी के पॉइंट पर आपकी आपत्ति है। उन्होंने कहा कि हां उनके माइंड

सेट के बारे में चीजों को कॉलेजियम से छुपाया गया। जस्टिस गवई ने कहा कि ऐसा नहीं है कि कॉलेजियम को ये नहीं पता होगा। एजेंसियों व जजों से परामर्श करता है कॉलेजियम। कॉलेजियम ने ये भी कहा है कि राजनितिक जुड़ाव जज नियुक्त ना करने का कोई कारण नहीं है। यहां तक कि मेरा भी एक राजनीतिक पार्टी का बैकग्राउंड रहा है, लेकिन 20 साल से मैं उसमें नहीं हूं,रामचंद्रन ने कई जजों के नाम गिनाए और कहा कि राजनीतिक जुड़ाव नहीं हेट स्पीच मुद्दा है। जस्टिस गवई ने कहा कि मेरा भी एक राजनीतिक पार्टी का बैकग्राउंड रहा है, लेकिन 20 साल से मैं उसमें नहीं हूं,रामचंद्रन ने कई जजों के नाम गिनाए और कहा कि राजनीतिक जुड़ाव नहीं हेट स्पीच मुद्दा है। जस्टिस गवई ने कहा कि वो अभी एडिशनल जज बन रही हैं, क्या कॉलेजियम को मौका नहीं मिलना चाहिए. ऐसा लगता है कि आपको कॉलेजियम पर भरोसा नहीं है ? रामचंद्रन ने भी जस्टिस आफताब आलम, जस्टिस रमा जॉइस, जस्टिस राजेंद्र सच्चर सहित कई जजों के नाम गिनाए जिनकी राजनीतिक पृष्ठभूमि रही थी। कई तो रेडिकल ऑर्गेनाइजेशन से भी जुड़े थे लेकिन वो हेट स्पीच वाले नहीं थे,लेकिन ये मामला खुले आम अनैतिक और नफरती बयान वाला है, जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि कोलेजियम ने सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद फैसला किया है।

इंवेस्टर समिट व जी-20 का विरोध करेंगे किसान

» मेहमानों का रास्ता भी रोकेंगे

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सरकार के वादा खिलाफी से नाराज होकर किसानों ने इंवेस्टर समिट व जी-20 के विरोध करने का फैसला किया है। इतना ही किसान इस कार्यक्रम में आए मेहमानों का रास्ता भी रोकेंगे। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश प्रवक्ता आलोक वर्मा ने यह जानकारी दी।

भारतीय किसान यूनियन ने कहा है कि सरकार लखनऊ में जमीन अधिग्रहण के नाम पर किसानों के साथ धोखा कर रही है। जो सरकार किसानों को उसकी फसल की कीमत ठीक से नहीं दे पा रही है वह जमीन लेने के बाद किसानों के बच्चों को नौकरी क्या देगी। किसानों का कहना है कि इंनवेस्टर्स समिट में जो जमीन अधिग्रहण की जा रही उसको बिना किसानों को विश्वास में लिये की जा रहा है।

सरकार किसानों की आय दुगुना करने की बात करती थी पर वह सिर्फ जुमला रहा, नलकूप पर मीटर लगाने की फिराक में लगी हैं, गन्ने का मूल्य अभी तक नहीं मिला है। किसान खाद, आवारा पशुओं से लेकर बिजली बिल को लेकर हलकान है जबकि सरकार सुधि नहीं ले रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।